RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2021-23

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 3 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 26 जून 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती, स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया, स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल, मंगल सिंह मर्तोलिया

लव जिहाद लैंड जिहाद

चिल्लाने से पहले सच्चाई जाननी चाहिये

कार्यालय प्रतिनिधि

उत्तराखण्ड में लव जिहाद लैंड जिहाद का हल्ला इतना ज्यादा मच चुका है कि आम जनता पूरी तरह घिरती दिखाई दे रही है। घिरना इस मायने में कि सोचने-समझने-सुनने की बात नहीं हो रही बल्कि विचार कर रही है कि पहाड़ को खतरे में डाला जा रहा है। इसलिये जरूरी है कि बचाव किया जाए। अनावश्यक रूप से उत्तराखण्ड आने वालों पर लगाम लगे। इसी बात को भाजपा, आर. एस.एस. और विपक्षी पार्टियां अपने-अपने ढंग से समझा रहे हैं। उत्तरकाशी में तनाव पर कोई पार्टी खुलकर बोलने का साहस नहीं कर सकी। बामपंथियों ने बैठक कर पहल की ओर कहा हिंसा के खिलाफ बोलना है। गलती चाहे किसी ओर से भी हो उसे सजा मिले, एकतरफा आग न भड़काई जाए।

ध्यान रहे, पहाड़ की संस्कृति को बचाने के लिये सावधान रहें लेकिन सजगता भी जरूरी है कि कहीं हम राजनीति का शिकार न हो जाएं, कहीं कोई गलती न हो जाए, किसी के भड़काने में न आ जाएं। एकतरफा चिल्लाने से पहले सच्चाई जाननी चाहिये कि जिस प्रकार की घटना पुरोला में हुई है वह पहली नहीं है। दूसरा, अपने स्वार्थ के लिये कौन क्या कर रहा है, क्या कह रहा है, जानना चाहिये। जमीन के घपले, प्यार के घपले, राजनीति के घपले दुनिया में होत रहेंगे। उत्तराखण्ड एकदम शान्त प्रदेश रहा है। इस देवभूमि पर शान्ति-सुरक्षा-भाईचारा रहा है लेकिन पिछले कुछ वर्षों से नफरत और गुण्डई बढ़ रही है। पृथक राज्य बनने के बाद से जमीन हथियाने वाले आते रहे हैं। पार्टियां चाहे कोई हों, भू माफियाओं और असरदार लोगों को राजनैतिक संरक्षण मिलता रहा है। गरीब और मुलायम जनता को लालच देकर बहलाने वाले भूल चुके थे कि पहाड़ी जनता बिगड़ने पर कठोर हो जाती है। यही कारण है कि पहाड़-तराई की राजनीति करने वालों ने भी तराई में बहुत अन्धेगर्दी मचा रखी है। राजनीति के नखरे भी सब जानते हैं। युवा सीएम पुष्कर धामी बहुत होशियारी से कदम बढ़ा रहे हैं। राजनीति में कल बाजी क्या होगी कोई नहीं जानता है लेकिन धामी ने जो कदम उठाया है वह देशभर में चर्चित हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी प्रदेश में लैंड जिहाद पर शुरु से ही बोल रहे हैं और सरकार ने सरकारी भूमि से कब्जे हटाने के निर्देश दिये। इससे वन भूमि पर बनी सैकड़ों मजारें व अन्य कब्जे हटाये जा चुके हैं। अभी भी कई जगह कब्जेदारों को हटने के लिये नोटिस दिये गये हैं। अतिक्रमण हटाओ अभियान में सख्ती से कब्जे हटाते समय कई जगह प्रदर्शन भी हुआ है। बहुत स्पष्ट बात है कि जब सरकारी भूमि पर अतिक्रमण होता है तो शासन प्रशासन तत्काल क्यों नहीं रोकता है? बकायता बिजली-पानी सारी सुविधाएं अतिक्रमणकारियों को मिल जाती हैं। सुख-सुविधाओं के अलावा आस्था का अड्डे भी घेराबाड़ी के लिये तैयार कर लिये जाते रहे हैं। ऐसा ही कुछ कारोबार या अन्य सुविधाओं में देखा गया है। उत्तरकाशी हो या चमोली या अन्य जगहें, व्यापार-कारोबार अन्य सिलसिले में गिनती भर के लोग वर्षों से यहाँ हैं। लोगों के बीच आपसी सौहार्द रहा है। नौकरी के सिलसिले में कुछ और लोग भी इधर आते- जाते रहे। लेकिन इधर हाल के वर्षों में बड़ी गड़बड़ यह हुई है कि देहरादून, रुड़की, हल्द्वानी, रुद्रपुर, काशीपुर, टनकपुर, खटीमा, रुद्रपुर, पौड़ी, श्रीनगर शहरों में अपने आवास बनाने की

शेष पृष्ठ 2 पर

उत्तराखण्ड की हलचल देशभर में

2024 चुनाव का खाका तैयार

उत्तराखण्ड की डेमोग्राफी खराब करने की कोशिश : सीएम

पि०हि०प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कहते हैं कि उत्तराखण्ड के मूल स्वरूप और डोमोग्राफी (जनसांख्यिकी) को खराब करने की कोशिश की जा रही है। इसे देखते हुए सख्त निर्देश दिये हैं कि जो भी प्रदेश से बाहर से काम करने आएगा उसे पहले अपना सत्यापन कराना होगा। जमीन खरीदने के लिये भी सत्यापन प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

किच्छा में भी धर्मांतरण का आरोप, २ युवा गिरफ्तार

किच्छा। किच्छा में प्रौढ़ शिक्षा के नाम पर धर्मांतरण करावाने का मामला उछला है। आरोप है कि कुछ लोग किराये के मकान में इस अभियान में जुटे थे। पुलिस ने मामले में बरेली के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पूरा मामला क्या है इसकी जाँच हो रही है।

काशीपुर के रेस्टोरेंट में लाठी डंडों के साथ हंगामा किया

काशीपुर। मानपुर रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में अगल-अलग सम्प्रदाय विशेष के युगल के होने का आरोप लगाते हुए हंगामा हुआ। रेस्टोरेंट स्वामी ने 5 नामजद सहित 300 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया। हंगामा करने वालों ने रेस्टोरेंट में युवक-युवती होने की बात कही और अन्दर तोड़फोड़ की जबकि वहाँ कोई नहीं था।

चम्पावत में माहौल खराब करने की कोशिश

चम्पावत। अराजक तत्वों द्वारा साम्प्रदायिक माहौल खराब करने की कोशिश फेल हो गई। सोशल मीडिया पर एक वायरल सन्देश में एक बुजुर्ग के नाम के दूसरे हिस्से को बदला गया है। एक धर्म विशेष के बुजुर्ग व्यक्ति पर दूसरे धर्म की किशोरी से शादी का उल्लेख किया गया था। पुलिस ने इस मामले की जाँच करते हुए इसे गलत बताया और झूठा सन्देश प्रसारित करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

दबाव डालने पर मुकदमा दर्ज

देहरादून। डोईवाला क्षेत्र में समुदाय विशेष के एक और युवक पर हिन्दू युवती पर धर्म परिवर्तन कर निकाह का दबाव डालने का मामला सामने आया है। डोईवाला कोतवाली में युवक और उसके परिजनों के खिलाफ उत्तराखण्ड धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज करते हुए युवक को हिरासत में लिया। पुलिस को दी तहरीर में युवती ने बताया कि आरोपी अरमान अंसारी उसकी सहेली के शिवपुरी बस्ती निवासी तमन्ना का भाई है। तमन्ना ने ही उसकी मुलाकात अपने भाई अरमान से करवाई थी। इसके बाद वह युवक घर तक आने लगा। आरोप है कि अरमान उस पर शारीरिक सम्बन्ध बनाने और धर्म परिवर्तन का दबाव डालता था। विरोध करने पर मारपीट करने लगा था और घर आकर बदनाम करने की धमकी देता था। अरमान की माँ और बहन भी डरा धमका कर उस पर धर्म परिवर्तन और निकाह का दबाव बना रहे थे।

शांति की अपील

पुरोला की आग सुलगी है चारों ओर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

सच स्वीकारना होगा

पुरोला (उत्तरकाशी) में भड़क चुकी जनता के पीछे किसका हाथ है, यह जानना भी जरूरी है। पुरोला में मचे साम्प्रदायिक घमासान की चिंगारी आस पास भी फैली और देखते ही देखते कुछ लोगों को इलाका छोड़कर जाने को कहा जाने लगा। कानून अपने हाथ में लेने की जरूरत कौन कर सकता है? मामला घातक होता देख चारों ओर से आवाज भी उठी कि नफरती आग नहीं फैलने देंगे और अपने-अपने घरों से ही धरना देते हुए लोगों ने संदेश दिये। यही कारण है शासन-प्रशासन चेता। वरना तो प्रधान संगठन के ऐलान पर होने वाली महापंचायत से पुरोला की आग में घी का काम हो सकता था लेकिन शासन प्रशासन ने इसकी इजाजत नहीं दी।

सीमान्त क्षेत्र उत्तरकाशी में एक नाबालिक हिन्दू बालिका को रजाई गद्दे का काम करने वाले दो युवा बहला कर ले जा रहे थे तो उसकी सजा पूरे क्षेत्र और लोगों को नहीं मिल सकती है। ऐसा क्या कारण है कि बालिका को बहलाया जा सका, ये फुसलाने वाले युवा कैसे और कौन हैं, इसकी पड़ताल के बाद गलती करने वालों को सख्त सजा दी जानी चाहिये। लेकिन कानून को हाथ में लेकर उदंडता नहीं की जा सकती है। एकाएक हिन्दूजागरण होना अच्छी बात कैसे हो सकती है? हम अपने धर्म के लिये कितने सजग रहे हैं, कितना धरम-करम करते हैं, हम कितने अनुशासन में रहते हैं और अपने बच्चों को कैसा संस्कार दे रहे हैं। क्या किसी पार्टी या संगठन में होना ही हिन्दू होना है? इन सारे सवालों को अपने आप से पूछना चाहिये। देश के अन्दर तमाम राजनीतिक पार्टियां और विचारधाराएं हैं, इनमें से सनातन धर्म की शिक्षा कभी भी हिंसा नहीं सिखाता। हमारे वेद-पुराण जीवन के नियम और बच्चों के संस्कार के बारे में भी बताते हैं। रामायण-महाभारत की शिक्षा हमारे इंसान बनाने के लिये काफी है। फिर गलती कहाँ हो रही है?

हमें समय रहते अपनी गलती सुधार लेनी चाहिये। किसी पर हमला करने से अच्छा है अपने को बचाते हुए आगे बढ़ना। ऐसा अवसर आने ही न दिया जाए कि हमारे बच्चे और हम भटकें।

फसक

दाज्यू, इस जमाने में सब स्मार्ट हो गये ठैरे

आगे आने के लिये फोड़ाफोड़ हो रही है बल

दाज्यू, लवजेहाद-लैण्डजेहाद........सुनकर हमारा बरमाण्ड भन्ना रहा है। हमारे मोहल्ले में देशभक्ती के कीर्तन चल रहे हैं और माता रानी का जगराता भी होने वाला है। उत्तराखण्ड में सबकुछ एकसाथ दिखाई देना देवकृपा ही है बल। विवेक चरसिया माता की चौकी गाने लगा है। मुनिया झोड़े चांचरी के भुदड़े नचा रही है.........हेऽभगवान दैंण हो जाऽऽऽ........। इस जमाने में सब स्मार्ट हो गये ठैरे। उत्तराखण्ड की लोई उतारने के लिए मुम्मई से औतार सिंह डोई रहा है बल।

कलजुग में होना क्या है दाज्यू? यही सब होने वाला ठैरा। हल्द्वानी में पत्रकार बनकर पति-पत्नी ने 20 लाख की रंगदारी मांग ली बल। जिला विकास प्राधिकरण से सेवानिवृत्त अवर अभियन्ता मोहन लाल आर्य ने पुलिस को बताया है- 'ये लोग 2021 से लगातार ब्लैकमेल कर रहे हैं।' अब क्या हो? पुलिस ने सबकुछ देखना ठैरा। उधर एमबीपीजी कालेज के कोषाध्यक्ष पर हाथापाई का मामला दर्ज हुआ। सचिव ने कोषाध्यक्ष पर हाथापाई का आरोप लगाया है। दाज्यू, आगे आने के लिये फोड़ाफोड़ हो रही है बल।

उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय में 2018 की चिकित्साधिकारी भर्ती परीक्षा विजिलेंस जाँच से घिर चुकी है। बहुत गड़बड़ है बल। प्रदेश में यूपी के सहारनपुर, बिजनौर, मुजफ्फरनगर के साथ दिल्ली से मिलावटी खाद्य पदार्थों की भारी मात्रा में आपूर्ति हो रही है। जाँच में 72 मामले फेल पाए गये। ऐसे में अब तीन राज्यों की टीम मिलावटखोरों को पकड़ने की तैयारी कर रही है बल। दाज्यू, चाहे कितने राज्यों की टीम बना लो या बुला लो, आदमी भी मिलावट वाला हो चुका है। भागमभाग में कचार ही कचार दिखाई दे रहा है। सुना है अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के पूर्व अध्यक्ष आर.बी.एस.रावत, हाकम सिंह समेत कई अभियुक्तों की प्रॉपर्टी खंगाली जा रही है। दाज्यू, अब कुछ भी खंगाल लो, रसना वही जो राम जी राखी.........। भड़भड़ाट-खड़बड़ाट के इस जमाने में 'लवजिहाद' हो रहा है बल। लट्टपेल तो बहुत सुनी थी लेकिन ये 'लवजिहाद' आजकल ही सुनाई दे रहा है। कौन किसकी ऐसी-तैसी करने लगे पता नहीं.........। स्मार्ट जमाने में अन्दर से भले ही सड़ा हो, सामने चकाचक दिखना जरूरी ठैरा। दाज्यू, भगवान सबको सद्बुद्धि दे। निगरगण्ड हो रहे युवाओं को भलमत्ति दे।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

संविधान बचाओ लोकतंत्र बचाओ, सद्भावना की आवाज

52 पूर्व अधिकारियों ने पत्र लिखा

चिल्लाने....

प्रथम पृष्ठ का शेष होड़ लग गई। पहाड़ से ज्यादा बसासत बाहर से आने वालों की हो चुकी। राजनीति चक्कर ने इसे प्रोत्साहित किया और अपने-अपने बोट बैंक बनाये जाने लगे। यही कारण है कि शहरों में पहाड़ के अलावा दुनियाभर के शक्ति प्रदर्शन, तीज-त्यौहार दिखाई देने लगे हैं जिनके बारे में सोचा भी न था। युवा फितरती और अपसंस्कृति के पोषक भी इसमें शामिल होकर भाईचारे की बात करते रहे। शहरों के अलावा जमीन व कारोबारों व कब्जे का यह क्रम पहाड़ों में भी बढ़ने लगा और धारचूला से लकर उत्तरकाशी तक बाहर से आने वालों का सिलसिला दबाव बनाने लगा। अपने बचाव के लिये, अपने इलाकों/प्रदेश में अशान्ति के चलते, अपने अन्य कारणों से बड़ी संख्या में लोग उत्तराखण्ड आने लगे हैं। इस पर्वतीय प्रदेश में लोभ-लालच देकर जमीन हथियाने के बड़े प्रकरण दिखाई दे रहे हैं। शहरों के अलावा शान्त वादियों में घुसपैठ करने वालों को नहीं रोका गया जबकि पहाड़ में जमीन बचाओ और भू-कानून को लेकर बराबर आवाज उठ रही है। अल्मोड़ा में भू-माफियाओं के खिलाफ ताजा प्रदर्शन चर्चा में हैं।

यह बात भी बहुत साफ है कि जब बाहर से कोई आकर पास-पड़ोस पर रह रहा है तो उनके बच्चे साथ-साथ ही खेलेंगे, बात-व्यवहार होगा। यह कहना कठिन है कि किसका बच्चा उम्र के साथ किस रूप में होगा, क्या करेगा। ऊपर से मोबाइल में दिखाई जा रही विकृतियाँ और राजनीति के ताने-बाने.. ....। पहाड़ के असल बाशिन्दे उत्तरकाशी की घटना के बाद उबाल पर हैं लेकिन अपनी जमीन और संस्कृति को बचाने के लिये वह कितने सक्रिय हैं इसका आंकलन स्वयं कर लें। सड़कों पर हल्ला करने से या किसी को भला-बुरा कहने से समस्या का समाधान नहीं होने वाला।

उत्तरकाशी के पुरोला की घटना में एक हिन्दू नाबालिक को दो युवा बहला कर ले जा रहे थे। जिन्हें पेट्रोल पम्प पर स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया और हिन्दूवादी संगठन सड़कों पर उतर आए। असल में यह सब एक दिन में नहीं हुआ है। अपनी गलतियों को न दोहराने के संकल्प के साथ भी कई लोग इस आन्दोलन में जुड़ चुके हैं। बात करें सरकार की तो, प्रदेश में भाजपा सरकार है और इसके संगठन का सीधा सा हिसाब-किताब है हिन्दू जागरण। आरएसएस को उत्तराखण्ड में बड़ा अवसर मिल चुका है, जिसमें आम जनता जुड़ चुकी है। विपक्ष टोह लेता रहा है क्योंकि वोट तो उसे भी चाहिये। यही कारण है पुरोला में 15 जून को प्रधान संगठन के आह्वान पर महापंचायत की आग चारों ओर फैली। शासन-प्रशासन ने साफ कहा कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों को नहीं छोड़ा जायेगा। कोई भी ऐसी हरकत न करे। महापंचायत पर ऑल इण्डिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओवैसी ने जैसे ही ट्वीट किया, यह आग और ज्यादा भड़की। ओवैसी ने कहा- 'भाजपा सरकार का काम है कि गुनहगारों को जेल भेजे और अमन कायम हो।' ओवैसी के बयान के साथ ही मुस्लिम विधायकों ने सीएम से भेंट की। सीएम ने दोहराया कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने की इजाजत नहीं दी जायेगी। माहौल लगातार तनावपूर्ण होता देख प्रशासन ने महापंचात की अनुमति नहीं दी और धारा 144 लागू कर दी। डीएम अभिषेक रुहेला और पुलिस अधीक्षक अर्पणा यदुवंशी ने व्यापारियों और लोगों से मिलकर शान्ति व्यवस्था बहाल करने की अपील की। तनावपूर्ण माहौल देखते हुए अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवाओं और केन्द्रीय सेवाओं के पूर्व अधिकारियों के समूह कॉस्टिट्यूशन कंडक्ट ग्रुप ने प्रदेश के मुख्य सचिव डॉ.एस.एस.सन्धू और पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार को खुला पत्र लिखकर उत्तराखण्ड में साम्प्रदायिक स्थिति पर त्वरित कार्रवाई की अपील की। केन्द्रीय जहाजरानी एवं परिहवन मंत्रालय के पूर्व सचिव एस.पी. एंब्रोस, प्रदेश की पूर्व मुख्य सचिव विभा पुरी दास, प.बंगाल के पूर्व विशेष सचिव गोपालन बालगोपाल, एमपी के पूर्व मुख्य सचिव शरद बेहर, पुर्तगाल के पूर्व राजदूत मधु भादुड़ी, आंध्र के पूर्व विशेष सचिव गुरजीत सिंह चीमा आदि अधिकारियों ने कहा कि वे संविधान की पक्षपातहीन, तटस्थता पर भरोसा रखते हैं। उनका कहना है कि यह एक रहस्य है कि यह सब जानकारी सार्वजनिक होने के बावजूद प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की और अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। अप्रैल 2022 में हरिद्वार में भी ऐसी ही महापंचायत हुई थी। कथित लव जिहाद व लैंड जिहाद जैसे जुमलों के जरिए भड़काऊ अभियान बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

असल में पुरोला विवाद की आग चारों ओर बेहिसाब फैली है, ऐसे में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अपूर्वानन्द और लेखक अशोक बाजपेयी ने सीजेआई को पत्र याचिका भेजी कि महापंचायत पर रोक लगाई जाए। सुप्रीम कोर्ट मामले में सुनवाई इन्कार करते हुए तल्ख टिप्पणी कीकि कानून व्यवस्था राज्य सरकार का मसला है। इस मसले में आप सुप्रीम कोर्ट क्यों आ गए। आपको हाईकोर्ट जाना चाहिये। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि आपको प्रशासन पर भरोसा क्यों नहीं है? आपको क्यों लगता है कि प्रशासन इस पर कोई कार्रवाई नहीं करेगा। ऐसे में याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस ले ली। दूसरी ओर प्रशासन की सख्ती के बाद स्थानीय संगठनों ने महापंचायत का स्थगित कर दी। उत्तरकाशी में कोई बबाल न हो इसके लिये पुलिस निगरानी बढ़ा दी गई है। देवभूमि रक्षा अभियान के अध्यक्ष स्वामी दर्शन भारती को पुलिस ने रोका।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा राज्य सरकार का मसला है

दून व टिहरी में भी साम्प्रदायिक मालौह बिगाड़ने की कोशिश

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हलचल

एवरेस्ट भी जलवायु परिवर्तन का मारा!

डॉ.हरीश चन्द्र अन्डोला

एवरेस्ट और हिंदुकुश हिमालय के अन्य पर्वत साढ़े तीन हजार किलोमीटर इलाके में फैले हुए हैं। ये पर्वत आठ देशों की सीमा से गुजरते हैं। इन सब पर ग्लोबल वार्मिंग का भारी असर देखने को मिला है। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) के मुताबिक अगर कार्बन गैसों का उत्सर्जन अपने मौजूदा स्तर पर ही बना रहा, तो अगले 70 साल में इस क्षेत्र के दो तिहाई ग्लेशियर पिघल चुके होंगे। विशेषज्ञों के मुताबिक गुजरे 60 वर्षों में एवरेस्ट के चारों तरफ मौजूद 79 ग्लेशियरों की मोटाई 100 मीटर घट चुकी है। साल 2009 के बाद उनका आकार घटने की रफ्तार दो गुनी हो गई है। इनमें मशहूर खुम्बु ग्लेशियर भी है, जहाँ से अधिकतर पर्वतारोही एवरेस्ट पर चढ़ने का अपना अभियान शुरू करते हैं। माउंट एवरेस्ट पर सबसे पहले पहुँचने वाले न्यूजीलैंड के हिलेरी और नेपाल के नोर्गे ने भी अपना अभियान यहीं से शुरू किया था। हिन्दुकुश क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन का असर तेजी से बढ़ा है। आईसीआईएमओडी के महानिदेशक पेमा ग्यामत्शो ने नेपाल के अखबार द हिमालयन टाइम्स को बताया- 'पूरे हिन्दुकुश हिमालय में ग्लोबल वॉर्मिंग के खतरनाक प्रभाव काफी समय महसूस हो रहे हैं। गर्म हवाओं, सूखे, प्राकृतिक आपदाओं, अचानक बर्फबारी और ग्लेशियरों के पिघलने का रिकार्ड बनता जा रहा है। इस क्षेत्र में रहने वाले दो अरब लोगों की जिन्दगी और आजीविका को बचाने के लिए दुनिया को तुरन्त ठोस कदम उठाने होंगे।'हिन्दुकुश पर्वतीय क्षेत्र में 24 करोड़ लोग रहते हैं। ये लोग पानी के पर्वतीय स्रोतों पर निर्भर हैं। विश्व प्रसिद्ध एथलीट और पर्वतारोही किलियन जार्नेट ने द हिमालयन टाइम्स से कहा- 'एवरेस्ट बहुत तेजी से बदल रहा है। मैंने इसे अपनी आँखों से देखा है कि कैसे जलवायु परिवर्तन का पहाड़ों पर असर हुआ है। ग्लेशियरों के पिघलने के कारण पर्वतारोहियों के लिए पहाड़ अधिक खतरनाक होते जा रहे हैं। उससे भी ज्यादा अहम बात यह है कि इसका स्थानीय संसाधनों पर निर्भर अरबों लोगों की जिन्दगी पर खराब असर हो रहा है।'आईसीआईएमओडी से जुड़े ग्लेशियर विशेषज्ञ ने कहा- 'हम जैसे जो लोग पहाड़ों का अध्ययन करते हैं, यहीं रहते हैं और पहाड़ों पर चढ़ते भी हैं, उन्होंने अपनी आँखों से यहाँ हो रहे बदलावों को देखा है। दुनिया के दूसरे हिस्सों में हजारों किलोमीटर दूर जो काम किए जाते हैं, उनका असर यहाँ दिखता है। 'हमें यह अवश्य याद रखना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन का हल निकालने के मामले में हमें बहुत बड़ी ऊचाइयाँ अभी चढ़नी हैं। एवरेस्ट पर जिस तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं, उन्हें भविष्य में सुधारना सम्भव नहीं रह जाएगा। पहाड़ में पहले की तुलना में कम बर्फ दिखाई देती है, और वह इसका श्रेय जलवायु संकट या पर्यावरणीय परिवर्तनों को देते हैं। वह बताते हैं कि 2000 के दशक की शुरुआत और मध्य में पहाड़ में बहुत अधिक बर्फ थी, लेकिन हाल के वर्षों में यह चटानी हो गई है। कई वैज्ञानिक रिपोर्टों से पता चला है कि पिछले वर्षों की तुलना में 21वीं सदी में हिमालय में वैश्विक औसत तापमान में काफी वृद्धि हुई है। एक असन्तुष्ट उपयोगकर्ता ने उन लोगों के प्रति निराशा व्यक्त की जो पर्यावरण विज्ञान में विश्वास नहीं करते हैं, जबकि अन्य ने स्थिति की खतरनाक वास्तविकता को स्वीकार किया और पर्यावरण की रक्षा के लिए कार्रवाई करने का आग्रह किया। एक तथ्य यह भी है कि ज्यादातर हिमालयी देशों में, पर्वतीय क्षेत्रें में रहने वाले लोग, अन्य क्षेत्रें में रहने वाले लोगों की तुलना में औसतन गरीब हैं। आर्थिक तौर पर इनके हाशिए पर होने का मतलब यह है कि अक्सर पर्वतीय समुदायों को गवर्नेंस में अनदेखा कर दिया जाता है। इस आशय यह है कि पॉलिसी, इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग या आपदा को लेकर पहले से की जाने वाली तैयारियों इत्यादि में उनकी बातों, सुझावों, आकांक्षाओं को कम तरजीह दी जाती है। शोध के निष्कर्ष में कहा गया है, साउथ कोल ग्लेशियर दुनिया की सबसे सूनी जगहों में से एक है। जब बर्फ का आवरण गायब हो जाता है, तब नंगे ग्लेशियर की बर्फ का पिघलना 20 गुना तेज हो सकता है। यह इस तरह के हिमनदों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहाँ बहुत कम हिमपात होता है। कहा गया है, 'बर्फ की इस मोटाई को बनने में लगे 2000 वर्षों की तुलना में बर्फ के नुकसान की मापी गई दर 80 गुना तेज है।' पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा 2020 में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हिंदु कुश हिमालय (एचकेएच) में वार्षिक औसत सतह-वायु-तापमान में 1901-2014 के दौरान प्रति दशक लगभग 0.1 डिग्री सेल्सियस की दर से वृद्धि हुई है और 1951-2014 के दौरान प्रति दशक 0.2 डिग्री सेल्सियस की तापमान वृद्धि दर रही, जो मानवजनित जलवायु परिवर्तन के कारण है।

ज्योतिष की बातें - 132

1 जुलाई 2023 को मंगल मित्रराशि सिंह में प्रवेश करेगा। मंगल स्वयं उग्र है और उग्र ग्रह सूर्य की राशि में प्रवेश कर रहा है इसलिए मंगल में उग्रता अधिक रहेगी। वहाँ पर पापग्रह शनि की दृष्टि होगी तो शुभग्रह गुरु की भी दृष्टि मंगल पर पड़ेगी। अतः मंगल मैं उग्रता अधिक होते हुए भी गुरु के द्वारा नियन्त्रित रहेगा। मंगल पराक्रम, खेलकूद, साहस, स्वास्थ्य, स्फलता, शत्रुनाश आदि का कारक होता है। मंगल त्रिषडाय अर्थात् तीसरे, छठवें और ग्यारहवें स्थान पर शुभ फल प्रदान करता है साथ ही कर्क और सिंह राशि के लिए योगकारक भी होता है। अतः अगले 48 दिन मंगल अपने कारक विषयों में मिथुन, मीन व तुला राशि के जातकों के लिये अत्यन्त शुभ रहेगा। कर्क और सिंह राशियों के लिए भी शुभ रहेगा। अन्य राशियों के लिये सामान्य फलक समझना चाहिए ।

हरिशयनी एकादशी- आषाढ़ शुक्ल एकादशी उदयव्यापिनी तिथि को हरिशयनी एकादशी का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार गुरुवार 29 जून को हरिशयनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा। भगवान विष्णु अगले 4 महीने के लिए शयन करते हैं अतः इस एकादशी विशेष महत्व है। इसके बाद अगले 4 महीने यज्ञोपवीत, विवाह आदि संस्कार तथा गृहप्रवेश आदि शुभकार्य स्थगित रहेंगे है। इन चार महीनों में पूजापाठ, मंत्रजाप दान आदि का विशेष पुण्य प्राप्त होता है। शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

सम्यक विचार- 23

बेरोजगारी का मूल कारण

हर आदमी सरकारी नौकरी चाहता है। जो प्राइवेट नौकरी में है वह अपने को नौकरी करता हुआ नहीं समझता और जो स्वयं का कोई व्यवसाय कर रहे हैं वे तो अपने को बेरोजगार ही समझते हैं। इस बेरोजगारी की समस्या का दोष कुछ बेरोजगार सरकार को देते हैं और कुछ बेरोजगार इस समस्या का दोष बढ़ती हुई आबादी को देते हैं जबकि यह दोनों बातें पूर्णतः सही नहीं है।

पहले सड़क की खुदाई करते समय दस लोग खुदाई करते थे और एक व्यक्ति देखता था आज एक व्यक्ति जेसीबी से खुदाई करता है और दस लोग देखते हैं। इस प्रकार जेसीबी मशीन आने से बहुत से मजदूर बेरोजगार हो गए। खेतों में जुताई आदि समस्त कार्य ट्रैक्टर आदि मशीनो से होने लगा इस कारण खेतिहर मजदूर बेरोजगार हो गए। बैंकों आदि सभी संस्थानों में कम्प्यूटर आने से दस व्यक्तियों का कार्य एक व्यक्ति ही करने लगा इसलिए लेखाकार्य करने वाले बेरोजगार हो गए। बहुत से सिस्टम आटोमेटिक हो जाने के कारण मनुष्यों की आवश्यकता कम हो गई। सीसीटीवी आ जाने के के कारण चौकीदार बेरोजगार हो गए। कम्प्यूटर और आनलाइन माध्यम से पढ़ाई होने के कारण शिक्षकों की आवश्यकता कम हो गयी। रोबोट आने के कारण भी बहुत से रोजगार समाप्त हो गये। ड्रोन से सप्लाई होने के कारण अब डिलीवरी ब्वाय बेरोजगार होने लगे। चालक रहित गाड़ियाँ आ जाने के कारण अब ड्राइवर भी बेरोजगार होने वाले हैं और यदि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अधिक प्रयोग हुआ तो सारे मनुष्य अपने मस्तिष्क सहित नष्ट भ्रष्ट हो जाएंगे। इसलिए बेरोजगारी का कारण न तो सरकार है न ही बढ़ती हुई आबादी बल्कि मशीनीकरण ही मूल कारण है। रोबोट आदि मशीनों का उपयोग केवल घातक परिस्थितियों में और घातक स्थानों पर ही होना चाहिए। इस मशीनीकरण से रोजगार समाप्त होने के साथ-साथ व्यक्ति का स्वास्थ्य भी तहस-नहस हो जाता है। **-सरल**

आपके पत्र

उत्तराखण्ड में रेलवे हेड स्टेशनों को मिलाकर नई रेल लाइन बने

नन्दा बल्लभ पाण्डेय

उत्तराखण्ड में ब्रिटिश शासन काल में जो रेलवे लाइन स्थापित की गई थी। वह अभी तक जस की जस पड़ी हुई है। उनमें कुछ रद्दोबदल नहीं हुआ है। हाँ अब कुछ नई रेल लाइनें बिछाने पर कार्य चल रहा है। जैसे ऋषिकेश से कर्णप्रयाग रेल मार्ग। इसके अलावा टनकपुर से बागेश्वर तथा रामनगर से चौखुटिया पर भी विचार विमर्श हो रहा है। यदि ये रेल मार्ग बन जाए तो उत्तराखण्ड के पर्वतीय अंचलों ने रेल मार्ग की सुविधा प्रशस्त होगी तथा सोच व पर्यटन का विकास हो सकेगा। लेकिन सरकार यदि ब्रिटिश काल में बने रेलवे हेड स्टेशनों को जो कि अभी तक नहीं मिले हैं तथा अलग-थलग पड़े हुए हैं या एक-दूसरे से मिलाकर नई रेल लाइन का संचालन किया जाए तो रेल यातायात में एक नई कड़ी जुड़ जायेगी। याने टनकपुर से चोरगलिया होकर काठगोदाम कालाढूंगी होकर रामनगर व कोटद्वार व देहरादून को आपस में मिलाते हुए एक रेल लाइन बन जाए तो इनकी आपसी आपसी दूरियां तो कम होगी ही तथा रेलवे सफर में आसानी भी रहेगी। इन रेलवे लाइनों के बन जाने से कुमाऊँ व गढ़वाली की दूरी कम होगी तथा यात्रियों के आवागमन में रास्ते और भी अधिक सुलभ हो जायेगा तथा सड़क सड़क यातायात का दबाव काफी कम हो जायेगा। अच्छा हो यदि इस यात्रा को मैट्रो रेल का दर्जा देते हुए इस रेल हेडों को जोड़ा जाए तो रेल यातायात आसान हो जायेगा।

अतः उत्तराखण्ड सरकार एवं केन्द्र सरकार (रेलवे विभाग) उक्त प्रस्ताव को गम्भीरता से विचार करते हुए प्राथमिकता से इस योजना को शीघ्र संचालित करे तो त्वरित विकास सम्भव होगा।

उड़ि घुघुती जालि

उड़ि घुघुती जालि, उड़ि घुघुती जालि
दूर हुंयुचूली डाना फुड़ उड़ि उड़ि जानि
मेर सन्देश पूज्यै दिए, मेरे इज्यू कें पास
कुशलमंगल लाए उड़ि सबुन साथ
तू उड़ेछं बीच खेतु मां
तली धान की वालि
उड़ि घुघुती जालि, उड़ि घुघुती जालि
लौटि आए जाणी चारी लागी रोली आस
तेर बातों हेरि-हेरि फेरि दिए विश्वास
चैत मैण भें मेहण खबर ले आली...

देव सिंह बोरा, मुनस्यारी

रेस जिन्दगी की

बदहस्त बेहाल था मैं जब तक
जिन्दगी जीने का मजा था तब तक
खनकते सिक्कों का ना जोर था
छोटी छोटी बातों में कहकहों का शोर था
टूटी खाट में नींद का अलग ही आनन्द था
मखमली गद्दों में नहीं आती यह रंज था
खनकते सिक्कों की दौड़ में जो पड़ गये
सूखे पत्तों की तरह शाख से झड़ गये।

अब ना कहकहे ना शोर है
बड़ा आदमी बनाने पर ही जोर है
बड़ा आदमी तो बना पर इन्सान छोटा हो गया
अपना स्वार्थ, मैं, मेरा करने में कहीं खो गयी
खोखली सी जिन्दगी और हंसी हो गयी।

कहाँ थे कहाँ आ गये हम
सब पीछे छूटा अब अकेले हैं हम
आश वक्त को रोक पाते हम
हाय, रहेगा अब सदा यह गम
काश वक्त को रोक पाते हम।

रेनू कपूर, गाजियाबाद

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिथौरागढ़ के चर्चित आवास फिर से चर्चा में

अतिक्रमण

पिथौरागढ़। महाविद्यालय के सामने सरकारी भूमि पर बने आवास हमेशा से इस लिये चर्चा में रहे हैं कि उनमें शिक्षकों का कब्जा रहा है। पद-प्रतिष्ठा में में सम्पन्न लोगों के रहने से चर्चित आवास फिर से इसलिये चर्चा में हैं कि इन्हें अतिक्रमण हटाने के लिये नोटिस मिल गया। आवास खाली करने के लिये उच्चशिक्षा निदेशक, प्राचार्य सहित अन्य को नोटिस भेजा गया। इन आवासों के इतिहास पर फिर कभी पृथक से चर्चा होगी। फिलहाल इतना बताते चलें कि डिग्री कालेज के समीप दशकों पूर्व बने आवास में पूर्व से ही महाविद्यालय के प्राध्यापक रहते थे। सरकारी भूमि पर बने इन आवासों को एक साल से हटाने की प्रक्रिया चल रही थी। वर्तमान में इन आवासों में उच्चशिक्षा निदेशक डॉ.सी.डी. सूठा, प्राचार्य मुवानी डिग्री कालेज डॉ. जी.सी.पन्त, प्राचार्य गुरुड़ाबाज डॉ. राम अवतार, शिक्षक आशीष पाण्डे रहते हैं। शिक्षक जितेन्द्र वल्दिया ने मकान को किराए पर लगाया है। चर्चा यह रही है कि सक्षम और जिनके अपने मकान हैं वह लोग इन आवासों पर हैं। एसडीएम अनुराग आर्य ने बताया है कि सरकार के आदेश के तहत सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही चल रही है।

उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय के निकट स्थित इन आवासों पर जो भी रह रहे हैं उनके निवास करने पर पहले से चर्चा रही है क्योंकि अपने मकान होने के बाद भी लोग इसमें रहे हैं।

उक्रांद का प्रस्ताव- भू-कानून लागू किया जाए

जिला सम्मेलन

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड क्रान्तिदल के जिला सम्मेलन में हिमाचल की तर्ज पर भू कानून लागू किए जाने के अलावा कई प्रस्ताव प्रारित किये गये। उत्तराखण्ड राज्य में उत्तराखण्ड अधीनस्थ चयन आयोग, उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग एवं विधानसभा में हुए अवैध व भ्रष्ट तरीके से की गई नियुक्तियों की सीबीआई जाँच कराए जाने की मांग की गई। सम्मेलन में सर्वसम्मति से हल्द्वानी महानगर में आईएसबीटी का निर्माण अतिशीघ्र किए जाने की मांग भी प्रमुखता से रखते हुए प्रस्ताव पारित किया गया। इसके अलावा नैनीताल जिले में वाहनों के बढ़ रहे दबाव पर भी गम्भीरत चिन्ता व्यक्त की गई, उसके समाधान हेतु बाइपास फ्लाई ओवर एवं पार्किंग स्थल का निर्माण अतिशीघ्र करोन का भी प्रस्ताव पास हुआ।

सम्मेलन में उत्तराखण्ड में होने वाली सभी सरकारी भर्तियों में मूल निवास प्रमाण पत्र को अनिवार्य किए जाने का भी प्रस्ताव पारित किया गया। सम्मेलन में वक्ताओं ने स्थानीय समस्याओं के अलावा पलायन पर भी गम्भीर चिन्ता व्यक्त की और पलायन को रोके जाने के लिए उत्तराखण्ड का समग्र विकास करने के लिए भी विचार व्यक्त किये। विधानसभा सीटों का परिसीमन भौगोलिक आधार पर किये जाने की मांग उठाते हुए कालाढूंगी क्षेत्र से विधायक प्रत्याशी रहे मोहन काण्डपाल को सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर दल की वरिष्ठ नेत्री मोहन बंगारी, भुवन जोशी, मदनसिंह मेर, प्रताप चौहान, जगत सिंह डोबाल, रवि बाल्मीकि, बृजमोहन सिजवाली, प्रकाश जोशी, विजय तिवारी, अजय उप्रेती, सीएस भट्ट, महेन्द्र सिंह बिष्ट, लोकेश वर्मा, जी.डी.ज्योति, पूरन सिंह उपस्थित थे।

जिलाध्यक्ष दिनेश भट्ट ही रहेंगे : काशीसिंह

चुनाव रार

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड क्रान्ति दल जिला कार्यकारिणी के गठन को लेकर यूकेडी दो गुटों में बंट गई। चुनाव के अगले दिन ही नेताओं के बयान आने लगे थे।

इस पर दल के केन्द्रीय अध्यक्ष काशी सिंह ऐरी का कहना है कि हल्द्वानी में जिला सम्मेलन का जो चुनाव कराए गए हैं वह वैध नहीं माने जाएंगे। पूर्व में पर्यवेक्षक की बैठक में जिलाध्यक्ष का चुनाव कर लिया गया है। पर्यवेक्षक की बैठक में जो तय हुआ है वही फैसला सही होगा। जिलाध्यक्ष दिनेश चन्द्र भट्ट ही होंगे।

पिछले दिनों उक्रांद के केन्द्रीय पर्यवेक्षक किशन सिंह मेहता ने दिनेश चन्द्र भट्ट को फिर से जिलाध्यक्ष घोषित किया था। दूसरे गुट ने जिला सम्मेलन कर नए पदाधिकारी चुन लिए। इस चुनाव को केन्द्रीय पर्यवेक्षक ने असंविधानिक करार देते हुए सम्मेलन में भाग लेने वालों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने की बात कही है।

दूसरी ओर यूकेडी के नीति निधरिण समिति के समस्य भुवन चन्द्र जोशी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर जिला सम्मेलन में हुए चुनाव को असंवैधानिक बताने वालों पर रोष जताया है। उन्होंने कहा कि चुनाव पूरी प्रक्रिया के तहत किया गया है। आम सहमति से जिलाध्यक्ष का चुनाव कराया गया। इस अवसर पर नवयुक्त तीनों पदाधिकारियों के साथ ही मदन सिंह मेर, एड.प्रकाश जोशी, नारायण दत्त तिवारी, प्रताप चौहान मौजूद थे।

एक सम्प्रदाय को निशाना बनाया : यशपाल

नेता प्रतिपक्ष

हल्द्वानी। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा है- पुरोला की घटना के नामजद दो अपराधी दो अलग-अलग सम्प्रदाय से हैं लेकिन एक सम्प्रदाय को भाजपा सरकार से लेकर कुछ धार्मिक संगठन निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना पर केन्द्र सरकार भी आश्चर्यजनक रूप से चुप्पी साधे हुए है। उत्तराखण्ड के साथ केन्द्र की भाजपा सरकार को इस बात का अहसास नहीं है कि आँखिर उन बेगुनाह परिवारों पर क्या गुजर रही होगी, जिनकी दुकानें मकानों को निशाने पर लेकर नुकसान पहुँचाया जा रहा है। श्री यशपाल ने आरोप लगाया कि जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, केन्द्र और राज्य सरकारों के पास बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों का जवाब नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा है कि लव जिहाद, लैंड जिहाद जैसे शब्द भाजपा की फैक्ट्री से निकले हैं। प्रदेश को अशान्ति को ले जाने वाले जिस ओर कदम बढ़ा चुके हैं उन्हें समय पर जवाब मिल जायेगा। उत्तराखण्ड महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि महंगाई और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार जैसे मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने के लिये सरकार लव जिहाद जैसे मामले सामने ला रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की कथनी करनी में अन्तर है, यही कारण है कि महिला पहलवानों की सुनवाई नहीं हो रही।

परिक्रमा

मेसर कुण्ड में सफाई अभियान

मुनस्यारी। जोहार सांस्कृतिक संगठन पिथौरागढ़ द्वारा प्राकृतिक धरोहर मेसर कुण्ड में सफाई व वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। संगठन के अध्यक्ष भूपाल सिंह बरफाल, जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया, रंजीत सिंह धर्मशक्तू, बहादुर सिंह धर्मशक्तू, सुमित मर्तोलिया, राजेन्द्र सिंह रावत, चन्द्रा टोलिया, नेहा पांगती, जानकी चिराल, नीमा पांगती, लक्ष्मी राणा, कुन्दर नित्वाल मौजूद थे।

डॉ.अंडोला बाल साहित्य से सम्मानित

देहरादून। साहित्य संस्था अल्मोड़ा द्वारा नेता सुभाष चन्द्र बोस छात्रावास लालटांड हरिद्वार में आयोजित तीन दिवसीय आयोजन में बाल साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लेखकों को सम्मानित किया गया। बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने हेतु दून विश्वविद्याय के डॉ. हरिश्चन्द्र अंडोला को सम्मानित किया गया। उन्हें हे.न.ब.मेडिकल कालेज दून विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.हेम चन्द्र पाण्डेय द्वारा यह सम्मान दिया गया।

पुनर्वास के लिये धरना दिया

लालकुआ। रेलवे की ओर से नगीना कॉलोनी से हटाए गए अतिक्रमण के बाद प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की मांग को लेकर पीड़ित परिवारों ने संगठनों के साथ धरना दिया है।

भड़की चिंगारी को थमना चाहिये, मामले दर्ज

सद्भावना सभा हुई

रागनगर। उत्तरकाशी में पैदा किये गये साम्प्रदायिक तनाव को लेकर रामनगर में सद्भावना सभा का आयोजन किया गया।

उत्तराखण्ड परिवर्तन पार्टी के प्रभात ध्यानी, समाजवादी लोक मंच के मुनीश कुमार, इंकलाबी मजदूर केन्द्र के रोहित रूहेला सहित बड़ी संख्या में लोग इसमें जुटे और साम्प्रदायिक तनाव पैदा करने वालों पर कार्रवाई की मांग की गई।

सोशल मीडिया पर रोक

नैनीताल। हाईकोर्ट ने पुरोला महांपचायत पर रोक लगाने और ऐसे अन्य किसी भी मामले में राज्य सरकार को शक्ति से विधि अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश देने के साथ ही इस महापंचायत को लेकर टीवी डिबेट और सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाई है। यह भी कहा है कि जिन लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है, पुलिस उनकी जाँच करे। सरकार 3 सप्ताह में जबाव दे।

फिर ऐलान रोक लगी है

उत्तरकाशी। धारा 144 लगने के विरोध में महापंचायत करवाने की मांग को लेकर कुछ हरकत में हैं। बताया जा रहा है कि फिर से ऐसी सभा करवाने की तैयारी है। हिन्दू परिषद और बजरंग दल का कहना है समुदाय विशेष के लोग हिन्दूवादी संगठनों को बदनाम कर रहे हैं। इस बीच पुरोला, बड़कोट, नौगांव बाजार भी बन्द रहे। यमुना घाटी हिन्दू जागृति संगठन भी सक्रिय बना है।

रुद्रपुर में मुकदमा

रुद्रपुर। नाम बदल कर एक हिन्दू मुस्लिम युवती को शादी का झांसा देकर प्रताड़ित करने का मामला आया है। गर्भवती होने पर युवक ने महिला का बार गर्भपात कराया। जब युवक की पहचान खुली तो युवक शादीशुदा और तीन बच्चों कापिता निकला। युवती की शिकायत के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। ट्रांजिट कैम्प निवासी युवती को शकील पुत्र सलीम निवासी बिचौल, रामपुर ने अपना नाम राहुल बताया था।

क्रूरता पर पिटाई

हल्द्वानी। लामाचौड़ क्षेत्र में गाय के साथ क्रूरता का मामला सामने आने पर हिन्दूवादी संगठन ने दूसरे समुदाय के युवक को पीटते हुए पुलिस को सौंपा। गाय स्वामी प्रेमपुर नवाड़ निवासी पुलिस को तहरीर में कहा कि वह ठेके पर जमीन लेकर फसल उगाता है। दोहपहर में एक व्यक्ति उनकी गाय के साथ अप्राकृतिक क्रूरता कर रहा था। आरोपी हाफिस (25) को लोगों ने भागकर पकड़ा और कालिख पोती।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

गंगोलीहाट में मची हुई है धुरमंड

निकाय चुनाव के लिये बनने लगी रणनीति, फिर पुराने नामों पर चर्चा

पि.हि. प्रतिनिधि

गंगोलीहाट। हमेशा चुनाव चर्चा में रहने वाले गंगोली में धुरमंड मची हुई है। कई किस्से-पुराण चर्चा में हैं। आने वाले निकाय चुनाव में इस प्रकार के आडियो वीडियो वायरल होने लगें तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

पिघलता हिमालय द्वारा क्षेत्र में किये गये सर्वे में पता चला है कि नगर निकाय चुनाव में फिर से पुराने चेहरे होंगे। पार्टी टिकट के लिये दांवपेंच के बाद निर्दलीय भी ताकत दिखाएंगे। ऐसे में भाजपा-कांग्रेस किसको टिकट देगी यह भी देखने लायक है। क्योंकि दोनों पार्टियों में जहाँ टिकट तिकड़म हो चुकी है वहीं एक-दूसरे के खिलाफ पुलिन्दा भी हाजिर किया जा चुका है। चर्चा उन चतुर-चालाक नेताओं की भी है जो पार्टी की आड़ में अपने धन्धे तो स्थापित कर चुके हैं लेकिन गंगोलीहाट विकास के लिये उनकी चुप्पी है। ठेकेदारी के नाम पर पनप चुके ऐसे लोगों की सच्चाई भी सब जानते हैं।

गंगोलीहाट में नगर पालिका चुनाव जब भी होंगे इसके लिये नामों की चर्चा तो पहले से है। यह भी तय है कि सीट महिला हो या पुरुष पुराने चेहरे फिर से मैदान में होंगे। कांग्रेस की ओर से नारायण सिंह बोहरा सशक्त दावेदारी कर रहे हैं। पिछले चुनाव में भी वह जोरदार टक्कर दे चुके हैं और इस बार तो उन्होंने संगठन को मजबूत करते हुए युवाओं की बड़ी टीम खड़ी कर दी है। नगर कार्यकारिणी का गठन करते हुए उन्होंने अपने इरादे स्पष्ट कर दिये हैं कि हर हाल में चुनाव जीतना है। नगर कार्यकारिणी में मनीष बिष्ट, दीपक धानिक, घनश्याम साह, शंकरलाल साह, जीवन पाण्डे, नन्दन कार्की, मनोज धानिक, दीपक उप्रेती, विरेन्द्र बोहरा, चन्दन कुमार, नीरज रावत, रीना बिष्ट, राम सिंह महरा, राजेन्द्र पाठक, सुरेन्द्र बिष्ट, धीरेन्द्र बिष्ट, हंसी देवी, बृजेश उप्रेती शामिल हैं। श्री बोहरा बताते हैं कि वह संगठन के शीर्ष नेताओं को अपनी मंशा बता चुके हैं और इसके लिये हर स्तर पर बात हो रही है।

कांग्रेस से टिकट की बात करें तो मुकेश रावल का नाम भी चर्चा में है, लेकिन सवाल उठता है कि टिकट मिलेगा और यदि मिलता है तो कांग्रेसी लामबन्द होंगे? महिला सीट की स्थिति में भी कांग्रेस नेता तैयारी पर हैं।

भाजपा की ओर से बहुत सीधी सी बात है कि पूर्व ब्लाक प्रमुख ललित पाठक की पुत्रबधू नगर पंचायत अध्यक्ष जयश्री पाठक टिकट की दावेदार होंगी लेकिन इस बार उनके लिये राह आसान नहीं है। यह भी साफ दिखाई दे रहा है कि यदि पार्टी संगठन कोई अन्य नाम तय कर दे तो वह विरोध नहीं कर पायेंगी। अब जबकि चुनाव चर्चा होने लगी है, अध्यक्ष जयश्री पाठक द्वारा नगर के लिये किये गये कार्यों की समीक्षा जनता अपने स्तर पर करने लगी है। यह भी देखने को मिल रहा है कि पिछले चुनाव में जो उनके बहुत करीबी थे बेहद नाराज हैं। बातचीज में उन्होंने खुलकर विरोध की बात कह डाली। तमाम बातों के अलावा विधायक फकीर राम पर भी यह दबाव होगा कि वह किसके लिये टिकट की पहल करेंगे। व्यापार मण्डल अध्यक्ष हरीश धानिक 'भीमा' ने भी भाजपा से ताल ठोक दी है। वह कहते हैं कि नगर क्षेत्र के विकास के लिये वह हमेशा जनपक्ष में रहे हैं और इस बार चुनाव में आम जनता को लेकर अपनी ताकत का अहसास करा देंगे। विधायक फकीर राम के साथ चुनाव में भी श्री धानिक खुलकर अग्रणीय रहे हैं। टिकट के लिये पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष विमल रावल का नाम भी चर्चा में है। पहली बार नगर पंचायत में कुर्सी संभालते हुए विमल ने शुरुआत की थी और बजट को लेकर कई बार नाराजी भी जताई थी। छात्र राजनीति से ही विमल रावल युवाओं के बीच चर्चित रहे हैं। पार्टी संगठन में उनकी अपनी पकड़ है। ऐसे में भाजपा की ओर से नगर निकाय के चैयरमैन के लिये टिकट को लेकर अन्तिम समय तक चुनौती रहनी है। इन सबके अलावा भी अन्य नामों पर बात या बतंगड़ तो हो ही रहा है।

कुल जमा यह कि गंगोलीहाट में विकास के लिये टोपी बदलने का खेल चलता रहेगा या सुलझे लोग दिशा दे पायेंगे? यह बड़ा सवाल है। महाकाली की इस भूमि पर सबकी नज़र है, फैलते नगर को सुनियोजित होना चाहिये।

नगर पंचायत क्या कर रहा है?

गंगोलीहाट नगर पंचायत का कार्यकाल पूरा होने को है लेकिन इस पर उठ रहे सवाल कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। स्वच्छता को लेकर बार-बार लोगों की शिकायत मिल रही है। महाकाली मन्दिर गेट से लेकर मार्ग में व्यापारी अपनी ओर से भी सफाई कर चुके हैं। इसी प्रकार मुख्य बाजार में अतिक्रमण हटवाकर कुछ खुला लग रहा था लेकिन फिर से फड़ लग चुके हैं। 'नेकी की दीवार' भी तमाशा बनी हुई है। नगर को करीने से सजाने की दिशा में नगर पंचायत ने क्या किया है? यह सवाल आम जनता पूछ रही है।

विकास के लिये ठोस पहल जरूरी : धानिक

उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलनकारी कल्याण सिंह धानिक कहते हैं कि विकास के लिये ठोस पहल जरूरी है। गंगोलीहाट में बढ़ती जा रही उच्छृंखलताओं पर रोष प्रकट करते हुए श्री धानिक कहते हैं कि तहसील सहित तमाम मामलों पर बड़े आन्दोलनों का परिणाम जो कुछ क्षेत्र को मिला उसके बाद से दूषित राजनीति ने विकास कार्यों को ढेर कर दिया है। सारी सम्भावनाएं होने के बावजूद बुद्धिजीवियों का मंच न बन पाना सोचनीय है। श्री धानिक कहते हैं कि गंगोलीहाट को दिशा और दशा देने के लिये बुद्धिजीवियों को पहल तो करनी ही होगी।

पिघलता हिमालय के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं-

हरीश मेहरा, मेहरा फर्नीचर गंगोलीहाट

हुकुम सिंह, गंगोलीहाट

बेरीनाग में चुनाव चस्के पर चर्चा और तैयारी भी

पि.हि. प्रतिनिधि

निकाय चुनाव को लेकर बेरीनाग में भी चर्चा हो रही है। चुनाव चस्के के साथ तैयारियां भी दिखाई दे रही हैं। नगर पंचायत बनने पर इसके अध्यक्ष बने हेम पन्त की ओर भी सबका ध्यान है कि वह आने वाले चुनावों में मैदान में उतरेंगे या किसी को उतारेंगे। कांग्रेस की ओर से हेम पन्त आज भी सशक्त हैं। बलवन्त सिंह धानिक के नाम की भी चर्चा है। हमेशा से चर्चा में रहने वाले भीम कुमार भी लोकप्रिय हैं लेकिन वह क्या स्थानीय चुनाव में रुचि लेंगे यह देखना है। क्योंकि वरिष्ठ नेता के रूप में उन्हें विधायक पद के लिये विचारा जाता रहा है। भाजपा की ओर से कई नाम चर्चा में हैं। मृदुभाषी और वरिष्ठ नेता धीरज बिष्ट का रुख क्या होगा यह तो वही जानें लेकिन खासी संख्या उनके लिये सोचती रही है। इस बार काफी तैयारी में दिखाई दे रहे नगर पंचायत सदस्य डी.एल.शाह की सर्वाधिक चर्चा है। चैयरमैन पद के लिये शाह लगातार सम्पर्क में हैं और इन दिनों उनके नाम की सबसे अधिक चर्चा सुनाई दे रही है। समाजसेवी पी.के.बोरा यद्यपि चुनाव से दूर रहने का मन बना चुके हैं लेकिन समाज के प्रति उनकी भावना देखते हुए उनके चाहने वाले उल्लेख कर रहे हैं। पंचायत से पालिका के लिये सफर कर रहे बेरीनाग में अब कौन अध्यक्ष बनेगा यह बहुत रोचक होने जा रहा है। चुनाव का नजारा कांटे का होगा।

पिघलता हिमालय के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं-

Hotel Ranbeer Inn & Restaurant

GIC Road, Gangolihat

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं-

गंगा सिंह पांगती
संरक्षक ग्राम प्रधान संगठन
धरमघर, बागेश्वर

एम.एस. सयाना
जोहार भवन, मल्लीताल
नैनीताल

सुरेन्द्र सिंह मर्तोलिया
'दुर्गा सदन' मधुवन इनक्लेव फेस-२
रेशम बाग के पास, गैस गोदाम रोड,
कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी

मोहन सिंह धर्मशक्तू
5/17 जोहार नगर, भोटिया पड़ाव
हल्द्वानी

गाइड लाइन पब्लिक स्कूल
खाद्यगोदाम मार्ग
गंगोलीहाट
प्रबन्धक- कुलश्रेष्ठ सिंह खाती

वर्मा एण्ड सन्स
जीआईसी रोड
गणाईगंगोली
प्रो.प्रा.भगवतीशरण वर्मा

पन्त फार्मेसी
पुराना बाजार
बेरीनाग
कमल पन्त

Hotel Bala Paradise
Tiksain,
Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल
एवं जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia
Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777,
7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

सप्ताह के पर्व

आषाढ़ कृष्ण पक्ष
24 जून- कौमारिकी षष्ठी
29 जून- हरिश्यनी एकादशी
2 जुलाई- पूर्णिमा व्रत
2 जुलाई- व्यास गुरु पूर्णिमा

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती
फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते-
जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)